हम सभी एक साल में चार मौसम जानते हैं, बसंत, गर्मी, पतझड़ और सर्दी। लेकिन ये चार मौसम जलवायु में होने वाले छोटे -छोटे परिवर्तनों को सटीक तरीके से नहीं दर्शा पाते। वर्ष भर में जलवायु में आने वाले परिवर्तनों के आधार पर पूर्वी एशिया के देशों में सूर्य व चंद्रमा के विभिन्न चरणों के आधार पर कैलैण्डर बनाए गए हैं। इनमें हिंदू कैलैण्डर में 6 मौसम हैं, चीन के कैलैण्डर में 24 मौसम हैं और जापानी कैलैण्डर में सबसे ज्यादा, 72 मौसम हैं। जापानी कैलैण्डर में पश्चिमी जगत की तरह ही चार मौसम हैं, पर हरेक मौसम 6 भागों में बंटा हुआ है। जिससे 15-15 दिन के 24 ''सेकी'' बनते हैं। यह अवधि मूलतः चीन के पारम्परिक लूनीसोलर (सौर चन्द्र) कैलैण्डर से ली गई है। इस पद्धति में वर्ष को चंद्रमा के चरणों तथा सूर्य के चारों ओर पृथ्वी की परिक्रमा के आधार पर बांटा जाता है। जापान में इन 24 सेकी को फिर से तीन-तीन भागों में बांटा जाता है। इस प्रकार 72 ''को'' या माइक्रो सीज़न बनते हैं। हरेक ''को'' लगभग 5 दिन का होता है। ये माइक्रो सीज़न जापान के इकोसिस्टम की नाज़ुक रिदम (लय) को दर्शाते हैं। हरेक मौसम उस समय प्राकृतिक जगत में हो रही वास्तविक घटना से सम्बंधित है, जैसे, बांस की कोंपले फूटना, गेहूं की फसल पकना आदि। कुछ ही दिनों में नया मौसम आ जाता है और एक नया अवसर भी। जापान में सूक्ष्म मौसम का यह चलन छठी सदी के मध्य में कोरिया से आया था। हरेक सूक्ष्म मौसम का नाम उत्तरी चीन में होने वाले जलवायु परिवर्तन व प्राकृतिक परिवर्तनों से लिया गया था। नतीजतन जब जापान में इसे लागू किया गया तो कुछ परिवर्तन भी किया गया। वर्ष 1685 में जापान राज परिवार के दरबारी खगोल शास्त्री शिबूकावा शुन्काई ने स्थानीय जलवायु परिवर्तनों के आधार पर इनका नामकरण किया। परिवर्तित कैलैण्डर 1873 तक रहा उसके बाद मेइजी सरकार ने इसे खत्म कर दिया और पश्चिम का सोलर आधारित ग्रैगोरिअन कैलैण्डर स्वीकार कर लिया। पर जापान के किसान, मछुआरे व सौंदर्योपासक आदि, ग्रैगोरिअन के साथ-साथ आज भी पारंपरिक कैलैण्डर को मानते हैं।

दिल्ली में एमेज़ॉन कंपनी के मैनेजर की गोली मारकर हत्या

एमेज़ॉन के मैनेजर हरप्रीत सिंह का कुछ ही देर पहले सड़क पर दूसरे मोटरसाइकल सवार कुछ युवकों से झगड़ा हुआ था

- हरप्रीत सिंह को जब गोली मारी गई तो वे अपने मामा के साथ कहीं जा रहे थे। बाइक सवारों ने हरप्रीत के साथ उनके मामा को भी गोली मारी थी।
- दिल्ली के भजनपुरा इलाके में रात के करीब मंगलवार रात 11 बजे यह घटना हुई। आपस में बाइक की टक्कर होने के बाद दोनों पक्षों का आपस में झगड़ा शुरु हो गया तभी पीछे से आये दो युवकों ने दोनों को गोली मार दी।

नई दिल्ली, 30 अगस्त। दिल्ली के भजनपुरा इलाके में अमेजन कंपनी के मैनेजर की गोली मारकर हुई हत्या ने राष्ट्रीय राजधानी में लॉ एंड ऑर्डर पर सवाल खड़े कर दिये हैं। 36 साल के हरप्रीत की हत्या के बाद अब यह जानकारी सामने आ रही है कि हत्या से पहले नॉर्थईस्ट दिल्ली के भजनपुरा की सड़कों पर हरप्रीत का कुछ मोटरसाइकिल चालकों से झगड़ा हुआ था। हरप्रीत का एक रिश्तेदार ने बुधवार को इस बात की जानकारी दी है। हरप्रीत गिल और 32 साल के उनके मामा गोविंद सिंह को सुभाष विहार इलाके में रात को करीब साढ़े ग्यारह बजे गोली मारी गई थी। दोनों को उस वक्त गोली मारी गई थी जब दोनों बाइक से जा रहे थे। अस्पताल पहुंचने के बाद हरप्रीत गिल को मृत घोषित कर दिया गया था।

हरप्रीत के चाचा बॉबी सिंह ने कहा कि उस दिन हरप्रीत की छुट्टी थी। उस दिन वो अपने मामा के साथ मोटरसाइकिल से घूम रहा था। उसी दौरान एक अन्य दो पहिया वाहन ने उसे टक्कर मार दी थी। उन्होंने कहा, हरप्रीत मंगलवार को घर पर था क्योंकि उस दिन उसकी छुट्टी थी। वो दफ्तर से आने के बाद अक्सर टहलने जाया करता था। रात को करीब 10 बजकर 45 मिनट पर उसने अपनी मां से कहा कि वो टहलने जा रहा है। वो एक बाइक पर गोविंद के साथ था। हमने सुना कि दो पहिया वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मारी और फिर उन्हें गाली देते हुए वहां से भाग गये।

उन्होंने बताया कि इसके बाद उन दोनों ने बाइक से उनका पीछा किया और सड़क पर उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद दोनों ने उनसे झगड़ा शुरू कर दिया। जब हरप्रीत और गोविंद ने इसका विरोध किया तो दो लोग पीछे से आए। उनके चेहरे ढके हुए थे और इन्होंने गोली चला दी। गोली हरप्रीत और गोविंद को लग गई। हरप्रीत के चाचा ने बताया कि हरप्रीत का हाल ही में प्रोमोशन हुआ था और वो बेंगलुरु जाने वाला था। उसकी शादी नहीं हुई थी जबकि उसके छोटे भाई की शादी हो गई थी और उसे एक बच्चा भी है।

हरप्रीत के एक चचेरे भाई अमनपाल सिंह ने कहा कि बेहतर परफॉरमेंस के लिए हरप्रीत को कंपनी की तरफ से जल्द ही अवार्ड मिलने वाला था। उन्होंने कहा, मुझे बुधवार की सुबह फोन से सूचना मिली कि किसी ने हरप्रीत की हत्या कर दी थी। उसकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। वो पिछले करीब 10-12 सालों से कंपनी के लिए काम कर रहा था। हरप्रीत परिवार का बैकबोन था और घर के सभी खर्च वहीं चलाता था।

हरप्रीत को सिर में गोली मार दी गई। जग परवेश चंद्र अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (नॉर्थईस्ट), जॉय तिर्का ने कहा, गोली उनके सिर के दाहिने हिस्से से अंदर गई थी और दूसरे हिस्से से बाहर आ गई थी। गोविंद सिंह भी भजनपुरा इलाके में रहते हैं और यहां एक होटल चलाते हैं। उन्हें भी सिर में गोली मार दी गई। फिलहाल उनका इलाज लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल में चल रहा है। गोविंद की पत्नी ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि उनके पति को किसने गोली मारी है। पुलिस ने इस मामले में हत्या के केस दर्ज किया है। इसके अलावा मामले को सुलझाने के लिए 6 टीमों का गठन भी किया गया है।

पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप से वृद्धाश्रम बनेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। नीति आयोग देश में बुजुर्गों की देखभाल और बेहतर बनाने के लिए पब्लिक -प्राईवेट व पार्टनरशिप (पी.पी.पी.) मॉडल से वृद्धाश्रम शुरु करने पर विचार कर रही है। आयोग चाहता है कि इस सैक्टर के लिए उच्चस्तरीय संसाधन जुटाए जाएं ताकि बुजुर्गों की देखभाल बेहतर तरीके से हो। इस देश की 19 प्रतिशत आबादी अर्थात 30 करोड़ से ज्यादा लोग 2050 तक 60 वर्ष के हो जाएंगे।

आयोग जल्दी ही वृद्धाश्रम संचालन व बुजुर्गों की देखभाल के क्षेत्र में प्राइवेट सैक्टर को शामिल करने का नीतिगत दस्तावेज जारी करेगा।

एक सरकारी अधिकारी ने कहा, उनका लक्ष्य है भारत एक ''एजिंग'' देश बन रहा है, इसलिए बुजुर्गों के आवश्यक सभी सुविधाएं दी जाए, चाहे वे स्वास्थ्य सम्बंधी हो या सामान्य जरुरते हो।

आयोग ने इस बारे में जनता और सम्बंधित मंत्रालयों से राय मांगी है। सरकारी डेटा कहते है कि 60 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों की संख्या गत 50 साल में तीन गुनी हो गई है।

'महाभारत की रचना काजी नज़रुल इस्लाम ने की थी'

मु.मंत्री ममता का बनर्जी के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है

- काजी नजरुल इस्लाम पश्चिम बंगाल के चुरुलिया में जन्मे एक बंगाली कवि थे। उन्होंने औपनिवेशिक शासन के खिलाफ खूब लिखा। इसके अलावा हिंदू-मुस्लिम भाईचारे के लिए भी उनकी रचनाएं जानी जाती हैं। नजरुल इस्लाम बंगाली के साथ ही संस्कृत के भी जानकार थे। उन्होंने पुराणों का भी अध्ययन किया था। उन्होंने हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित कई नाटक लिखे थे।

कोलकाता, 30 अगस्त। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान वाले वीडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहे हैं। हाल ही में उन्होंने राकेश शर्मा की जगह राकेश रौशन को भारत का पहला अंतरिक्ष यात्री बता दिया था। उनकी जुबान फिसल गई थी और उन्होंने कह दिया था कि जब इंदिरा गांदी चांद पर पहुंची तो उन्होंने राकेश से पूछा कि ऊपर से भारत कैसा लग रहा है? अब ममता बनर्जी का एक और क्लिप चर्चा का विषय बना हुआ है जिसमें वह विद्रोही कवि काजी नजरुल इस्लाम को महाभारत का रचयिता बता रही हैं। हालांकि यह उनके भाषण का एक छोटा सा हिस्सा है। इससे यह स्पष्ट नहीं होता कि उन्होंने कहा है कि नजरुल इस्लाम ने महाभारत लिखी है। ममता बनर्जी महान साहित्यकारों के लेखन को लेकर बात कर रही थीं। हालांकि क्लिप वायरल होने के बाद भाजपा ने आड़े हाथों लिया और यहां तक कह दिया कि वह हिंदू धर्म के तथ्यों से छेड़छाड़ कर रही हैं।

काजी नजरुल इस्लाम पश्चिम बंगाल के चुरुलिया में जन्मे एक बंगाली कवि थे। उन्होंने औपनिवेशिक शासन के खिलाफ खूब लिखा। इसके अलावा हिंदू-मुस्लिम भाईचारे के लिए भी उनकी रचनाएं जानी जाती हैं। नजरुल इस्लाम बंगाली के साथ ही संस्कृत के भी जानकार थे। उन्होंने पुराणों का भी अध्ययन किया था। उन्होंने हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित कई नाटक लिखे थे। उन्होंने कट्टरपंथियों के भारी विरोध के बावजूद हिंदू महिला से शादी की थी।

चीन और पाकिस्तान के खिलाफ एक और युद्धपोत तैनात करेगा भारत

उपराष्ट्रपति धनखड़ एवं उनकी पत्नी भारतीय सेना के नये युद्ध पोत आई.एन.एस. महेन्द्रगिरी को आज लॉन्च करेंगे

- आई.एन.एस. महेन्द्रगिरी को दुश्मन के विमानों और एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों के खतरे का मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस तरह के उन्नत जहाजों में लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली भी लैस की गई है।

नई दिल्ली, 30 अगस्त। भारतीय नौसेना की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए नए युद्धपोत महेंद्रगिरि को लॉन्च करने की पूरी तैयारी हो गई है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी सुदेश धनखड़ 1 सितंबर को मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में भारत के नए युद्धपोत महेंद्रगिरि को लॉन्च करेंगी। महेंद्रगिरि, प्रोजेक्ट 17ए का सातवां और आखिरी स्टील्थ फ्रिगेट है।

प्रोजेक्ट 17ए के तहत चार युद्धपोत मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में और बाकी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई), कोलकाता में बनाए जा रहे हैं। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 17 अगस्त को जीआरएसई में प्रोजेक्ट 17ए के छठे युद्धपोत विंध्यगिरि को लॉन्च किया था।

नौसेना के अधिकारियों का कहना है, ''महेंद्रगिरि हमारे देश द्वारा आत्मनिर्भर नौसैनिक बल के निर्माण में की गई अविश्वसनीय प्रगति का एक उपयुक्त प्रमाण है।'' प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स प्रोजेक्ट 17 (शिवालिक क्लास) फ्रिगेट्स का फॉलोअप है, जिसमें बेहतर स्टील्थ फीचर्स, उन्नत हथियार और सेंसर और प्लेटफ़ॉर्म प्रबंधन सिस्टम हैं।

प्रोजेक्ट 17ए के तहत पिछले पांच युद्धपोत 2019-22 के दौरान लॉन्च किए गए थे। इन युद्धपोतों का लॉन्च ऐसे समय में हुआ है जब रक्षा में आत्मनिर्भरता होना सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में चीनी सैनिक अपनी निगरानी बढ़ा रहे हैं, ऐसे में भारतीय सेना-नौसेना (पीएलएएन) अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए मिलकर प्रयास कर रही हैं। सभी प्रोजेक्ट 17ए युद्धपोत वर्तमान में निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं और 2024-26 के दौरान नौसेना को सौंपे जाने की उम्मीद है।

इस प्रोजेक्ट के जहाज को दुश्मन के विमानों और एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों के खतरे का मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस तरह के उन्नत जहाजों में लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली भी लैस की गई है।

दो 30 मिमी रैपिड-फायर बंदूकें जहाज को नजदीक से रक्षा क्षमता मुहैया करागी जबकि एक एसआरजीएम गन प्रभावी नौसैनिक को गोलाबारी में सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाएगी। स्वदेशी रूप से विकसित ट्रिपल ट्यूब लाइट वेट टारपीडो लॉन्चर और रॉकेट लॉन्चर जहाज की पनडुब्बी रोधी क्षमता में इजाफा करेंगे।

एम.पी. व राजस्थान सहित पांच राज्यों में चुनाव कार्यक्रम का एलान सितम्बर के दूसरे हफ्ते में होने की संभावना

- चुनाव आयोग अब तक छत्तीसगढ़ और मिजोरम का दौरा कर चुका है तथा अगले हफ्ते तेंलगाना, मध्य प्रदेश और राजस्थान जाने की तैयारी चल रही है।
- वर्ष 2018 में आयोग ने छः अक्टूबर को इन सभी राज्यों के चुनाव की घोषणा की थी, जबकि वर्ष 2013 में चार अक्टूबर को इसका एलान किया था। सूत्रों की मानें तो आयोग इन राज्यों के चुनाव को जल्द संपन्न कराकर आम चुनावों की तैयारियों में जुटना चाह रहा है।

नई दिल्ली, 30 अगस्त। राजनीतिक दलों के साथ ही चुनाव आयोग भी अब मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित पांच राज्यों के प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर सक्रिय हो गया है। चुनाव आयोग ने इन सभी चुनावी राज्यों में तैयारियों की समीक्षा भी शुरू कर दी है। अब तक वह छत्तीसगढ़ और मिजोरम का दौरा कर चुका है। अगले हफ्ते उसके तेंलगाना, मध्य प्रदेश और राजस्थान जाने की तैयारी है।

फिलहाल जो संकेत मिल रहे है, उसके तहत चुनाव आयोग इस बार सितंबर के अंतिम हफ्ते में ही इन राज्यों के चुनाव का एलान कर सकता है। आयोग से जुड़े सूत्रों की मानें तो अगले साल होने वाले आम चुनाव की तैयारियों को देखते हुए आयोग इस बार इन सभी राज्यों के चुनावी कार्यक्रम को कुछ दिन और आगे रखने की तैयारी में है। वैसे भी इन सभी राज्यों में अक्टूबर के पहले हफ्ते में ही चुनाव का एलान होते आ रहा है।

वर्ष 2018 में आयोग ने छह अक्टूबर को इन सभी राज्यों के चुनाव का एलान किया था, जबकि वर्ष 2013 में चार अक्टूबर को इसका एलान किया था। सूत्रों की मानें तो आयोग इन राज्यों के चुनाव को जल्द संपन्न कराकर आम चुनावों की तैयारियों में जुटना चाह रहा है। वैसे भी उसका इस बार के आम चुनावों में बड़ा फोकस वोटिंग प्रतिशत के बढ़ाने को लेकर है।

पिछले आम चुनावों में करीब 67 फीसद वोटिंग हुई थी, जिसे इस बार वह 80 प्रतिशत से ज्यादा पर ले जाना चाहता है। ऐसे उनका उन सभी क्षेत्रों में फोकस है, जहां वोटिंग प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से भी कम रहा था। इस बीच चुनाव आयोग की सक्रियता और संकेतों को देखते हुए राजनीतिक दल भी सक्रिय हो गए है।

कई दलों ने प्रत्याशियों की सूची की जारी इस दौरान कई दलों ने अपने प्रत्याशियों की सूची भी जारी कर दी है। इतना ही नहीं, इस राज्यों में सत्ता में काबिज पार्टियों ने अपने पसंद के हिसाब से अधिकारियों की फिल्डिंग भी जमा ली है। देखा जाए तो चुनाव के लिए सभी तैयार है, इंतजार अब सिर्फ ऐलान होने का है।

'गहलोत के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गई टिप्पणी के खिलाफ मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजा गया है। बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान के पूर्व उपाध्यक्ष और दी बार एसोसिएशन, जयपुर के पूर्व अध्यक्ष अधिवक्ता योगेंद्र सिंह तंवर ने सीजे को पत्र भेजकर सीएम अशोक गहलोत के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्रवाई शुरू करने की गुहार की है।

पत्र में कहा गया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने न्यायपालिका की छवि धूमिल करने के लिए इस तरह की बेबुनियाद बयानबाजी की है। जिससे न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंची है। ऐसे में पत्र को आपराधिक अवमानना के तौर पर दर्ज कर मामले में कार्रवाई की जाए। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने न्यायपालिका पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि, ''मैंने सुना है कि आजकल कई वकील जज़मेंट लिखकर ले जाते हैं और फिर वही जज़मेंट सामने आ जाता है। न्यायपालिका में भयंकर भ्रष्टाचार चल रहा है।''

'जी-20 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिकी ही मोदी के पक्ष में हैं, जबकि 34 प्रतिशत उनमें विश्वास नहीं रखते।

सर्वेक्षण से पता चला है कि भारत की छवि सकारात्मक ज्यादा है नकारात्मक की बजाय, लेकिन अधिकांश यूरोपीय देशों में लोकप्रियता घट रही है। जिन पांच यूरोपीय देशों के पुराने आंकड़े उपलब्ध हैं, फ्रांस, स्पेन, ज़र्मनी, पोलैंड और यू.के., उनमें भारत के पक्ष में राय 2008 के मुकाबले 10 प्रतिशत पॉइन्ट गिरी है।

थाईलैण्ड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिकॉर्ड 4 करोड़ पर्यटकों में से करीब 28 प्रतिशत चीनी थे जिनसे 1.9 ट्रिलियन बाथ की आय हुई।

नोमुरा विश्लेषकों ने सोमवार को एक रिपोर्ट में कहा कि चीनी पर्यटकों की कमी मई में आरंभ किए गए सख्त ई-वीसा नियमों के कारण हुई है। उन्होंने कहा कि एक अन्य रूकावट वाला घटक है थाईलैंड का छोटे शहरों के पर्यटकों पर आश्रित रहना जो चीन की बढ़ती आर्थिक समस्याओं के लिए ज्यादा संवेदनशील हो सकता हे।

थानेथ ने कहा कि मुआवजे के लिए उनकी एसोसिएशन ने सिफारिश की है कि फुकेट और क्राबी प्रांतों में उड़ानें बढ़ाई जाएं और बेलारूस, कज़ाकिस्तान और रूस के पर्यटकों की वीजा अवधि बढ़ाई जाए जो चीन और मलेशिया के यात्रियों से ज्यादा समय खर्च करते हैं।

श्रेथा की योजना हद तक मददगार हो सकती है लेकिन असली सवाल है मांग की स्थिति।

पैराक्यूलस ने एक ई-मेल में कहा ''यदि चीन की आर्थिक स्थिति और बिगड़ती है तथा उपभोक्ता की भावना कमजोर होती है तो खतरा है एक पर्यटकों को आकर्षित करने के ये उपाय कम प्रभावशाली होंगे।

बीते 100 सालों में अगस्त अब तक का सबसे सूखा महीना रहा

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, अल नीनो इफैक्ट के कारण पूरे देश में बारिश की इतनी विकट स्थिति बनी है

- मौसम वैज्ञानिकों ने इस पूरे मानसून के दौरान सामान्य से 13 प्रतिशत कम बारिश कम बारिश दर्ज की गई है।
- आई.एम.डी. के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि, अगर सिर्फ अगस्त की बात करें तो पूरे देश में सामान्य औसत से 32 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है।
- मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार भारत में अगस्त 2005 में 25 प्रतिशत, 1965 में 24.6 प्रतिशत; 1920 में 24.4 प्रतिशत; 2009 में 24.1 प्रतिशत और 1913 में 24 प्रतिशत बारिश की कमी दर्ज की गई।

नई दिल्ली, 30 अगस्त। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि भारत में 1901 के बाद से इस वर्ष अगस्त के सबसे अधिक शुष्क रहने का अनुमान है। यह स्पष्ट रूप से अल नीनो स्थितियों के तीव्र होने का नतीजा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, इस साल का मॉनसून 2005 के बाद से सबसे अधिक शुष्क हो सकता है, जिसमें 13 प्रतिशत बारिश की कमी दर्ज की गई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अगस्त में अब तक 32 प्रतिशत बारिश की कमी और अगले तीन दिन में देश के एक बड़े हिस्से में बारिश की कम गतिविधियां होने का अनुमान है। इसके चलते भारत 1901 के बाद से सबसे शुष्क अगस्त दर्ज किये जाने की राह पर है। अगस्त में 254.9 मिमी बारिश होती है, जो मॉनसून के मौसम के दौरान होने वाली बारिश का लगभग 30 प्रतिशत है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार भारत में अगस्त 2005 में 25 प्रतिशत, 1965 में 24.6 प्रतिशत; 1920 में 24.4 प्रतिशत; 2009 में 24.1 प्रतिशत और 1913 में 24 प्रतिशत बारिश की कमी दर्ज की गई।

आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि अगस्त में सामान्य से कम बारिश का मुख्य कारण अल नीनो (दक्षिण अमेरिका के निकट प्रशांत महासागर में पानी का गर्म होना) के अलावा मैडेन जूलियन ऑसिलेशन (एमजेओ) का प्रतिकूल चरण है। एमजेओ एक समुद्री-वायुमंडलीय घटना है जो दुनियाभर में मौसम की गतिविधियों को प्रभावित करती है। अल नीनो आमतौर पर भारत में कमजोर होती मॉनसूनी हवाओं और शुष्क मौसम से जुड़ा है।

महापात्र ने कहा, एमजेओ के अनुकूल चरण के कारण कम दबाव प्रणाली न होने पर भी बारिश होती है। एमजेओ के अनुकूल चरण के कारण जुलाई में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई थी। दक्षिण चीन सागर के ऊपर विकसित होने वाली कम दबाव वाली प्रणालियां आमतौर पर पश्चिम की ओर बढ़ती हैं, वियतनाम और थाईलैंड को पार करने के बाद उत्तरी बंगाल की खाड़ी तक पहुंचती हैं।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव माधवन राजीवन ने कहा, सितंबर के अगस्त जितना खराब रहने की उम्मीद नहीं है। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी ने कहा कि अगस्त में भारी बारिश की कमी का मुख्य कारण अल नीनो है।

अगस्त खत्म होने में दो दिनों का ही समय बाकी है और मंगलवार तक इस महीने देश में 160.3 मिमी बारिश हुई है। आमतौर पर यह आंकड़ा 241 मिमी होता है। अब आशंकाएं ये भी जताई जा रही हैं कि बारिश की इतनी भारी कमी के चलते मॉनसून सीजन (जून से सितंबर) बारिश की कमी के साथ खत्म न हो जाए। ऐसे में जानकार सितंबर में अच्छी बारिश की उम्मीद लगा रहे हैं।

एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में आईएमडी निदेशक के हवाले से बताया गया, हम 2 सितंबर के बाद मॉनसून के दोबारा तैयार होने की उम्मीद कर रहे हैं। तब उत्तरी बंगाल की खाड़ी में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बनने की संभावनाएं हैं। यह कम दबाव के क्षेत्र में बदल सकता है, जिसके चलते पूर्व, मध्य और दक्षिण भारत में बारिश हो सकती है।

160 लोकसभा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिला वे अन्य पार्टियों में जा रहे हैं।

राजस्थान में भी तनाव है हालांकि यहां अभी प्रत्याशी घोषित नहीं है। भाजपा मध्यप्रदेश की 39 ओर छत्तीसगढ़ की 21 सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित कर चुकी है।

सीटों के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फीडबैक ले चुकी हैं।

सीटों के विभाजन के अलावा न्यूनतम साझा कार्यक्रम, संयुक्त चुनाव अभियान व गठबंधन के संयोजक के चयन पर भी विचार किया जाएगा।

लोकसभा चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी चुनावी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और कर्नाटक मॉडल को पूरे देश में लागू किया जाएगा।

1.1 करोड़ महिलाओं को लाभ पहुंचाने वाली गृह लक्ष्मी योजना का औपचारिक उद्घाटन करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि हम झूठे वादे नहीं करते और कांग्रेस वादे पूरे करती है। अब उनका यह कथ्य पूरे देश में फैलाया जाएगा, पांच विधानसभा और लोकसभा चुनावों की तैयारी में।

राहुल गांधी ने कहा, ''कांग्रेस की पांच गारंटियां केवल योजनाएं नहीं है, बल्कि शासन का मॉडल है। उनका इरादा देश के सामने कर्नाटक मॉडल ले जाने का है। उन्होंने गृह लक्ष्मी को दुनिया में नकद हस्तांतरण की सबसे बड़ी योजना बताया, जिसमें लाखों महिलाओं के बैंक खातों में 2000 रूपए सीधे जमा हो जाएंगे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार पर चुटकी लेने का मौका राहुल कैसे चूकते। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बैठी सरकार केवल अरबपतियों के लिए काम करती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908